JAINS FOR INDIA

BJS ई-बुलेटीन 2020

Edition 11, 15th April 2020

BJS Bharatiya Jain Sanghatana

संपादक की कलम से

कल आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 मई, 2020 तक सम्पूर्ण देश में लॉक डाउन अवधि बढ़ाने की घोषणा की. कोरोना पर विजय पाने का दृढ़ विश्वास उन्होनें दर्शाया वहीं जरूरतमंदों और श्रमिकों को हो रही तकलीफों हेतु खेद भी व्यक्त किया.

विकसित देशों के मुकाबले अपने देश की स्थिति काफी बेहतर है और आशा है कि बड़ी संख्या में जन हानि को टाल सकेंगे. कोरोना को परास्त करने हेतु प्रत्येक देशवासी को नियमों का पालन कर सरकार व स्थानीय प्रशासन को ओर अधिक सहयोग करना होगा.

आदरणीय शांतीलालजी मुत्था, आज बुधवार 15 अप्रेल को सांय 4 बजे BJS Family Summit face book live पर 'Risk taking & Decision making' विषय पर विशेष संबोधन करेंगे. आपसे प्रार्थना कि आज सांय 4 बजे का समय ध्यान में लें. सफल जीवन यात्रा में निर्णय लेने की उनकी क्षमताओं व उनके द्वारा अनेक निर्णयों में रहे Risk factor का विवरण उनसे ही सुनने व सीखने का हमारे लिए यह सुनहरा अवसर होगा.

डॉ नितिन तांतेड़, प्रोफेसर तथा HOD, प्रेस्टीज इंस्टीटूट, इंदौर ने 11अप्रेल को BJS Family Summit face book live पर ENJOY FINANCIAL FREEDOM THROUGH FINANCIAL PLANNING विषय पर सीधी और सरल भाषा में महत्वपूर्ण सलाह दी, जिसे इस अंक में प्रकाशित कर रहे हैं.

निरंजन जुंवा जैन
सदस्य - BJS राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

April 11

BJS FAMILY SUMMIT
Live Face book Series-**DAY 11**

Enjoy Financial Freedom Through Financial Planning

Dr Nitin Tanted, Indore is a Trainer & Research Analysis. Renowned Financial Planner. Professor & HOD Prestige Institute, Indore

हम आज Financial Planning Capsule पर चर्चा करेंगे. आधारभूत तरीके से यह केप्सूल हमारी वित्तीय स्वतंत्रताओं (Financial freedom) को पहचानने में सहायक होता है. कुछ लोगों के पास वित्तीय योजना (Financial Planning) से दूर रहने का कारण होता है, वह यह कि उनके पास सब कुछ तो है. धंधा भी अच्छा चल रहा है, आय भी अच्छी है और सफलता की सीढ़ियां लगातार चढ़ रहे हैं. जिनका समय अच्छा है या उनके अनुरूप है, वे खुश हैं, किन्तु समय सदैव एक समान नहीं होता. अनिश्चितताएं जीवन का हिस्सा होती हैं और इसके मद्देनजर वित्तीय योजना बनाना आवश्यक है. जिस तरह फिलहाल कोरोना को लेकर अनिश्चितता है क्योंकि व्यवसाय, कारोबर, नौकरी आदि सभी रुक गया है. वह व्यवसायी या व्यक्ति जिन्होंने वित्तीय योजनाओं पर अमल किया है, निश्चित ही इस विपत्ति में भी comfortable महसूस कर रहे होंगे. क्या हर व्यक्ति उसके स्वप्नों को पाना चाहता हैं, उसकी ही शर्तों पर जीना चाहता है, परिवार को अच्छा और luxury जीवन देना चाहता है, सेवनिवृत्ति के पश्चात भी पहले जैसा जीवन जीना चाहता है? उत्तर यदि हां है तो वित्तीय योजना आवश्यक है और वित्तीय स्वतंत्रता का Road Map भी यही है.

सामान्यत: लोगों को वित्तीय योजना बनाना कठिन लगता है और उनके मन में कुछ संशय और भय भी होता है. वित्तीय योजना शुरू करने का योग्य समय क्या? इसका उत्तर अत्यंत ही सरल है. जिस दिन से आप कुछ कमाने लगें या अर्जित करने लगें वो ही दिन या समय वित्तीय योजना के लिए उत्तम है. एक बालक जिसकी उम्र मात्र 15 वर्ष है और उसे यदि pocket money मिलती है तो उसके लिए भी उसी दिन से वित्तीय योजना आवश्यक है. यह हमारी मज़बूरी नहीं अपितु आदत होनी चाहिए. इसके लिए कोई उम्र या निश्चित आय की कोई मर्यादा नहीं है.

आईये! समझें कि वित्तीय स्वतंत्रता क्या होती है? जब आप घर बैठे निश्चित आय अर्जित करने लगे. यह तब ही संभव है जब नियमित अर्जित होने वाली आय को passive income में परिवर्तित कर दें. Financial

Contd...

Capsule passive income अर्जित करने का दूसरा नाम है.

दो व्यक्ति जिनकी मासिक आय क्रमशः ₹ 10,000 या ₹ 1 लाख मासिक है तो उन दोनो के लिए वित्तीय योजना हेतु 5 निम्न बातें समान रूप से महत्त्वपूर्ण हैं;

1) Income, 2) Assets, 3) Liability, 4) Savings

5) Expenditure

यदि उपरोक्त 5 मुद्दों का स्पष्ट ज्ञान या रिकॉर्ड है तो वित्तीय योजना सरल होगी. आय के सामने खर्चे कितने हैं? वर्तमान व भविष्य की आवश्यकताएं व इसी तरह से goals सुनिश्चित करने हेतु नियमित बचत व खर्चों आदि को ध्यान में लेना चाहिए.

Smart Goal महत्वपूर्ण है. इसके 5 मापदंड हैं:

1) Specific, 2) Measurable

3) attainable, 4) Realistic

5) Time bound

30 वर्ष का एक युवा 5 वर्ष के पश्चात युरोप जाना चाहता है और ₹10 लाख का खर्चा अंदाजित है. यूरोप जाना उसका specific goal है, ₹ 10 लाख measurable amount है. क्या उसकी क्षमता इस tour के लिए attainable है तथा realistic है? कहीं मात्र सपना तो नही देख रहा. Goal timebound है जो यहां 5 वर्ष है क्योंकि वह युरोप 5 वर्ष बाद जाएगा. Goal को कागज़ पर उतारें और priority निर्धारित करें जो 3 तरह की है . 1) Short, 2) Medium तथा 3) long term. Term निर्धारण के पश्चात ही वास्तविक वित्तीय योजना शुरू होगी.

वित्तीय योजना में कुल आय को ध्यान में लेना होगा जिसमें, salary, property rent, business, share market या अन्य स्रोत से होने वाली आय. इमरजेंसी फण्ड बनाने हेतु वित्तीय योजना में gross total income को ध्यान में लेना होगा. इमरजेंसी फण्ड की आवश्यकता क्यों? अनिश्चितता कभी कह कर नहीं आती, जैसे कोरोना वायरस. एसे समय में turnover और profit दोनों कम हो जाएंगे. Research कहता है कि breakdown period कम से कम तीन महीने का होता है. एसी स्थिति से बाहर निकलने के लिए समय लगता है. इस अवधि में खर्चों में कमी नहीं आने वाली. EMI, बच्चों की fees, Household expenses का meter चालू रहेगा. कुल वार्षिक आय के 3 माह की अनुपातिक आय से emergency fund बनाना चाहिये. इस रकम को saving bank account में रखें ताकि जब भी जरूरत हो राशी निकाली जा सके. 2008 में मंदी के कारण USA में बड़ी संख्या मे लोगो ने आत्महत्या की थी जबकी वहां रहने वाले भारतीय बचत की आदतों के कारण सुरक्षित रहे. यदि किसी की आय ₹ 1 लाख मासिक है तो applicable taxes बाद करने के पश्चात disposable income ₹80,000 होगी. इसके utilization की वित्तीय योजना में 2 dents हैं जिन्हें manage करना होगा.

Locked down is an opportunity to do
What you always wanted to do

LOVE,
KINDNESS,
CREATIVITY,
CONVERSATION,
LEARNING,
HOPE,
IMAGINATION,
READING,
RELATIONSHIP,
PRAYING &
MEDITATION

Nothing from above is under locked down

1) जीवन में यदि आय अर्जित करने वाले सदस्य की मृत्यु हो जाती है और परिवार में लगता है सब कुछ समाप्त हो गया. यदि मृतक का term insurance और पर्याप्त life cover हो तो परिवार इस आर्थिक सहायता के कारण मानसिक आघात से शीघ्र बाहर आ सकेगा. यदि व्यक्ति 30 साल का है और मासिक आय ₹1लाख है तो 30 या 40 वर्षों के लिए 1 करोड़ का बीमा लेना सुझावित है.

2) परिवार में medical तथा education दो बड़े खर्चे होते हैं. Education तो investment है. Medical खर्चा तो न चाहते हुए भी करना पड़ता है. Medical insurance पर्याप्त cover के साथ लेना चाहिए. परिवार के सभी सदस्यों की flotter policy सुझावित है. यदि बीमा ₹10लाख का है तो मुश्किल से मासिक प्रीमियम ₹ 1000 से ₹ 1500 के बीच आएगा.

Disposable income जो ऊपर ₹ 80,000 दर्शाई गई उसमें से insurance का मासिक खर्च 2,000 और 60□ घर खर्च करने के बाद inevstable amount शैष रहता है.

वित्तीय योजनाएं सदैव लम्बी अवधि के लिए होती है. आज भले ही देश की अर्थ व्यवस्था चिंता जनक लगे किन्तु आने वाला कल भारत का है. देश की अर्थव्यवस्था ऊचाईयों को छूएगी और भारत आर्थिक महासत्ता बनकर उभरेगा.

To view all videos : bit.ly/BJSPune